[श्री राजनाथ सोनकर शास्त्री]

गया। साथ ही मैं माननीय गृह मंत्री से यह अनुरोध करूंगा कि वे क्षेत्रीय विधायकों एवं सांसद सदस्यों की एक कमेटी बनायें जिसको यह अधिकार दिया जाये कि आवंटित जमीनों के कब्जों की ये पू सूचनायें प्रादेशीय मुख्य मंत्री एवं गृह मंत्री को निरन्तर देते रहें।

(vii) MAINTENANCE OF LAW AND ORDER, IN CONNECTION WITH ELECTION OF STUDENTS' UNION OF THE UNIVERSITY OF DELHI.

SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE (New Delhi): Elections of the students' Unions of the University of Delhi and many of its colleges, involving nearly 60,000 voters are to be held on 28t August, 1981. It sould be the duty of the University authorities, the Delhi Administration and the Central Government to ensure that members of unions contest, canvass and vote freely and witout any fear. However, there are disconcerting reports of violence and intimidation and even an apprehension about booth capturing as been expressed.

A few days back there was a violent clash in which even fire-arms were used at a college when some students went there to canvass support.

It is reported that in abcut half a dozen colleges, office bearers have been elected unanimously, withdrawal of their nominations having been obtained under intimidation and threat of violence.

I demand that—

(1) All the so-called unopposed elections be cancelled and fresh nominations invited.

(2) The Administration should make adequate arrangements on the polling day to ensure peaceful and fair poll,

(3) An enquiry should be conducted into the manner in which the Lodi Road Police Station authorities, handled the situation arising out of the violent clash at Dayal Singh College on August 20, 1981.

It is the duty of the Government to ensure free and fair elections in the University of Delhi and its Colleges situated in the Capital by maintaining law and order.

(viii) RELIEF MEASURES FOR DROUGHT AFFECTED AREAS OF UTTAR PRADESH BY PROVIDING BETTER IRRIGATION FACILITIES, ETC.

श्री जैनुल बशर (गाजीपुर) : उपाध्यक्ष, जी, उत्तर प्रदेश के वाराणसी मण्डल के गाजीपुर, बलिया, मिर्जापुर, जौनपुर तथा वाराणसी जिले में वर्षा कम होने के कारण अकाल की सी स्थिति पैदा हो गई है। बरसात के शुरू में धान की बुवाई बड़े पैमाने पर की गई थी। परन्तु, जब वर्षा न होने के कारण धान की फसलें खेतों में सूखी रही हैं। यदि वर्षा की स्थिति इसी तरह कायम रही तो आगे रबी की बुआई होना भी कठिन है।

सब से दुखद बात तो यह है कि इस समय उत्तर प्रदेश में बिजली का गंभीर संकट होने के कारण सिंचाई के साधन अपना काम नहीं कर पा रहे हैं और किसानों को वर्षा पर ही आश्रित होना पड़ रहा है। वाराणसी मण्डल में और विशेषकर गाजीपुर जिले में केवल 2–3 घंटा रोजाना ही बिजली मिल पाती है। गाजीपुर जिले की जमानियां तहसील में तो लगभग पिछले एक महीने से बिजली बिल्कुल नहीं मिल रही है। ऐसी स्थिति में उस क्षेत्र की पम्प नहरें तथा नलकूप चल नहीं पा रहे हैं। नहरों के न चलने के कारण सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध नहीं हो रहा है। पूरे क्षेत्र में हा-हाकार मची हुई है और किसान अपने सूखते हुए खेतों को देख कर जब नहरों की तरफ तथा नलकूपों की नालियों की तरफ आंख उठाकर देखता है तो वे भी सूखी ही मिलती हैं। बिजली के गंभीर अभाव के कारण उत्तर प्रदेश सरकार भी अपने को असहाय महसूस कर रही है।